राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

आपसी रंजिश में चाकू घोंप कर युवक की हत्या

बस्ती, (संवाददाता)। नगर थाना क्षेत्र के ग्राम बढ़नी मे मामूली विवाद मे एक37वर्षीय युवक की चाकू मार दी। सूचना पाकर मौके पर पहुँची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल बस्ती मे भर्ती कराया।जहाँ देखते ही डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए बस्ती भेज दिया है।मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस गाँव के ही एक व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। मृतक आटो चलाकर अपने स्वजनो का भरण पोषण करता था। नगर थाना क्षेत्र के ग्राम बढ़नी निवासी 37वर्षीय राजकुमार उर्फ दिलीप पुत्र सत्य नारायण को गाँव के ही बादल पुत्र रामकांत ने मामूली विवाद को लेकर चाकू मार दिया। जिसमे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुँचे थाना प्रभारी नगर देवेंद्र सिंह एंबुलेंस से जिला अस्पताल बस्ती मे भर्ती कराया।

वर्ष – 03 | अंक – 255 | जौनपुर | सोमवार, 05 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

बरेली में मरीज से बलात्कार के दोषी चिकित्सक को 10 साल कठोर कारावास की सजा

बरेली,(एजेंसी)। चिकित्सक ने नशीला इंजेक्शन लगाकर उसके साथ बलात्कार किया और वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने लगा। महिला के पति ने चिकित्सक की हरकत से तंग आ करथाना इज्जत नगर में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले की एक अदालत ने उपचार कराने आयी महिला के साथ बलात्ध्कार करने के मामले में एक चिकित्सक को शनिवार को दोषी करार देते हुए उसे 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनायी और 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। एक सरकारी अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) संतोष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (त्वरित न्यायालय) राघवेंद्र मणि ने चार साल पुराने इस मामले की सुनवाई पूरी कर आरोपी डॉ रवेन्द्र प्रकाश शर्मा (40) को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई और उस पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना अदा न करने पर उसे छह माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। अभियोजन पक्ष के अनुसार वर्ष 2021 में दांत का इलाज कराने आयी विवाहिता के इलाज के दौरान चिकित्सक ने नशीला इंजेक्शन लगाकर उसके साथ बलात्कार किया और वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने लगा। महिला के पति ने चिकित्सक की हरकत से तंग आ करथाना इज्जत नगर में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

मथुरा में सड़क हादसे में तीन सगे भाइयों समेत चार लोगों की मौत

मथुरा,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के जैत थाना क्षेत्र में रामताल वृंदावन रोड पर शनिवार शाम एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सगे भाइयों और चालक समेत चार लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार एक तेज रफ्तार कार ने सवारी ऑटो को टक्कर मार दी, जिससे वह पलट गया और इसके बाद सड़क पर घायल पड़े लोगों को पीछे से आ रहे डंपर ने कुचल दिया। पुलिस के मुताबिक ऑटो चालक के अलावा तीन भाइयों की मौके पर ही मौत हो गयी तथा उनका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सक उसकी जान बचाने के भरसक प्रयास खर रहे हैं। सभी भाई मप्र के इंदौर से एक शादी समारोह में शामिल होनेवृन्दावन पहुंचे थे। पुलिस अधीक्षक (शहर) आरविंद कुमार ने बताया कि गोविंद नगर क्षेत्र के जयसिंहपुरा खादर का निवासी आटो–रिक्शा चालक साबिर (25) तथा इंदौर निवासी सगे भाइयों प्यारे लाल शर्मा (60), हुकुम चंद शर्मा (40) व मुकेश शर्मा (45) तथा उनके चचेरे भाई शिवम शर्मा को प्रेम मंदिर के दर्शन कराकर वापस होटल छोड़ने ले जा रहा था। तभी यह हादसा हुआ और चालक के अलावा तीनों सगे भाइयों की मौत हो गयी।

आतंकवाद और उसके समर्थकों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के लिए भारत प्रतिबद्ध : पीएम मोदी

हैदराबाद, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसके बाद मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति लौरेंको और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करता हूं। यह एक ऐतिहासिक क्षण है। 38 साल बाद अंगोला के राष्ट्रपति भारत आए हैं। उनकी यात्रा न केवल भारत और अंगोला के बीच संबंधों को एक नई दिशा देने वाली है, बल्कि भारत–अफ्रीका संबंधों को भी मजबूत करने वाली है। मोदी ने कहा कि भारत और अंगोला अपने राजनीतिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

जब अंगोला अपनी आजादी के लिए लड़ रहा था, तब भारत उसके साथ खड़ा था। आज हम विभिन्न क्षेत्रों में साझेदार हैं। भारत तेल और गैस के सबसे बड़े खरीदारों में से एक है। हमने अपने ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने का फैसला किया है। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हम अंगोला की सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 200 मिलियन डॉलर की रक्षा ऋण सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि हम अंगोला के सशस्त्र बलों के प्रशिक्षण में सहायता करके खुश होंगे। अपनी विकास साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए, हम डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण में अंगोला के साथ अपनी क्षमताओं को साझा करेंगे। आज, हमने स्वास्थ्य सेवा, हीरा प्रसंस्करण, उर्वरक और महत्वपूर्ण खनिजों में अपने संबंधों को और मजबूत करने का भी निर्णय लिया है। अंगोला में योग और बॉलीवुड की लोकप्रियता हमारे सांस्कृतिक संबंधों की मजबूती का प्रतीक है। अपने लोगों से लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए, हमने अपने युवाओं के बीच युवा विनिमय कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है।

हम गरीबों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं : संतोष कुमार सुमन

पटना, (एजेंसी)। बिहार के मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने केंद्र सरकार के जनगणना के साथ जातीय जनगणना कराने के निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे गरीबों को उनका हक मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा जाति–धर्म में नहीं बल्कि गरीबों के प्रति अपना विश्वास रखता है। हम गरीबों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। उनकी उन्नति ही हमारा संबल है। बिहार के मंत्री संतोष कुमार सुमन ने कहा कि हमारी पार्टी इस साल होने वाले चुनाव की तैयारी में जुटी है। पार्टी द्वारा कई क्षेत्रों में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है और लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि समस्तीपुर के पटोरी प्रखंड के मालपुर में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में समाजसेवी बीके सिंह ने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा की

सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि इससे पहले एनडीए के घटक दलों का कार्यकर्ता सम्मेलन सभी जिलों में आयोजित किया जा चुका है। इससे कार्यकर्ताओं में समन्वय बनाने में सहूलियत हुई है। हमारी पार्टी जाति–धर्म की खाई को पाटकर अमीर–गरीब के भेदभाव को मिटाना चाहती है। उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना कराए जाने की घोषणा की चर्चा करते हुए कहा कि इससे सभी जातियों की स्थिति बेहतर होगी और जिसकी जितनी संख्या, उसकी उतनी हिस्सेदारी मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने जातीय जनगणना को लेकर विपक्ष द्वारा श्रेय लिए जाने पर कहा कि उनके पास क्रेडिट लेने के लिए कुछ भी नहीं है। आजादी के बाद से अधिकांश समय उनकी ही सरकार थी लेकिन आजादी के बाद अब देश में पहली बार जातीय जनगणना होने जा रही है। यह एक ऐतिहासिक निर्णय है।

ममता के मुर्शिदाबाद दौरे से पहले दो पुलिस अधिकारी निलंबित

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संकटग्रस्त मुर्शिदाबाद जिले के दौरे से पहले शमशेरगंज थाने के दो पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है, जहां अधिकांश हिंसा हुई थी। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। जंगीपुर पुलिस जिले के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार

शाह ने कल एक आदेश में शमशेरगंज थाने के पूर्व प्रभारी शिबो प्रसाद घोष और उपनिरीक्षक मोहम्मद जलालुद्दीन अहमद को "घोर कदाचार और कर्तव्य में लापरवाही" के लिए निलंबित कर दिया। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर मुर्शिदाबाद में हिंसा भड़की हिंसा के दौरान 11 और 12 अप्रैल को ये दोनों अधिकारी जंगीपुर पुलिस जिले में तैनात थे। बाद में ओसी का तबादला कर दिया गया। राज्य सचिवालय नबाना के सूत्रों के अनुसार बनर्जी 5 मई को मुर्शिदाबाद का दौरा करने वाली थीं।अब वह अगले दिन 6 मई को जाएंगी। पुलिस कर्मियों पर दंडात्मक कार्रवाई उस दिन की गई जब नौ सदस्यीय एसआईटी और बंगाल एसटीएफ ने जाफराबाद में हुई हिंसा में कथित संलिप्तता के लिए दो और संदिग्धों को गिरफ्तार किया।

पंजाब में नशे के खिलाफ जन आंदोलन, गांव-वार्ड स्तर पर कमेटियां सक्रिय

पटियाला, (एजेंसी)। पंजाब में चल रही नशे के खिलाफ मुहिम अब जनआंदोलन का रूप लेती नजर आ रही है। प्रदेश के अलग–अलग जिलों के लोग इस लड़ाई में बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और सरकार का साथ देने के लिए गांव और वार्ड स्तर पर गठित समितियों से जुड़ रहे हैं। इसी सिलसिले में रविवार को पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा पटियाला पहुंचे, जहां उन्होंने गांव और वार्ड स्तर पर गठित नशा विरोधी कमेटियों को सौगंध दिलाई कि वे अपने क्षेत्रों को नशामुक्त बनाने के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री

डॉ. बलबीर सिंह के साथ–साथ कई विधायक भी मौजूद रहे। वित्त मंत्री चीमा ने इस अवसर पर कहा कि अब वह दिन दूर नहीं जब पंजाब पूरी तरह से नशामुक्त होगा। पंजाब की सीमाओं से आने वाले नशे पर सख्त निगरानी रखी जा रही है और अब सरकार देश के बंदरगाहों के जरिए आने वाले नशे पर भी कार्रवाई करने के लिए केंद्र सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों से तालमेल कर रही है। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि नशा छोड़ने की इच्छा रखने वाले युवाओं के इलाज के लिए राज्य के सभी अस्पतालों में पर्याप्त दवाएं और सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ऐसे युवाओं का इलाज कर उन्हें पुनः सामान्य जीवन और रोजगार से जोड़ने का काम कर रहा है। जो लोग पहले नशे के लिए इंजेक्शन का इस्तेमाल करते थे, अब उन्हें ये इंजेक्शन मिलना बंद हो गए हैं, जिससे न केवल उनका स्वास्थ्य सुधरेगा, बल्कि उनकी जान भी बचाई जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार समाज को नशामुक्त बनाने में जुटी हुई है। भगवंत मान की सरकार ने नशा तस्करों के खिलाफ मुहिम चलाई है। पुलिस ने अब तक कई नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके घर भी तोड़े गए हैं, ताकि आगे से कोई भी तस्कर ऐसा न कर सके।

चुनाव आयोग ला रहा है एक नई ऐप, इलेक्शन से जुड़ी सभी सेवाएं एक ही जगह मिलेंगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) अब एक नया और आसान डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जिससे वोटर, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन सभी को सुविधा मिलेगी। इस नए प्लेटफॉर्म का नाम ईसीआईनेट होगा। ईसीआईनेट चुनाव आयोग के पहले से मौजूद 40 से ज्यादा मोबाइल और वेबसाइट ऐप्स को एक साथ लाएगा और उन्हें नया रूप देगा। यह एक ही जगह से चलने वाला ऐसा ऐप होगा जिसमें चुनाव आयोग की 40 से ज्यादा पुरानी मोबाइल और वेब ऐप्स को जोड़ दिया जाएगा। ईसीआईनेट के शानदार यूजर इंटरफेस के साथ इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान होगा, क्योंकि सभी चुनावी काम एक ही जगह पर हो सकेंगे। अब लोगों को अलग–अलग ऐप डाउनलोड करने और अलग–अलग लॉगिन याद रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत मार्च 2025 में हुई थी जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन में इसकी योजना बनाई थी। ईसीआईनेट के माध्यम से उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर या स्मार्टफोन पर चुनाव से जुड़ी जरूरी जानकारी आसानी से देख सकेंगे। ईसीआईनेट के माध्यम से उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर या स्मार्टफोन पर चुनाव से जुड़ी जरूरी जानकारी आसानी से देख सकेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि जानकारी एकदम सही हो, ईसीआईनेट पर डेटा केवल अधिकृत चुनाव आयोग के अधिकारी ही डालेंगे। संबंधित अधिकारी द्वारा डेटा डालने से यह पक्का होगा कि हितधारकों को जो जानकारी मिले वह अधिक से अधिक सही हो। हालांकि, किसी भी विवाद की स्थिति में, वैधानिक प्रपत्रों में विधिवत भरा गया प्राथमिक डेटा मान्य होगा। ईसीआईनेट में पहले से मौजूद कई ऐप्स जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, वोटर टर्नआउट ऐप, सीविजिल, सुविधा 2.0, ईएसएमएस, सक्षम और केवाईसी ऐप शामिल होंगे। इन सभी ऐप्स को मिलाकर अब तक 5.5 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। उम्मीद है कि ईसीआईनेट से लगभग 100 करोड़ वोट करने वाले लोगों और पूरे चुनाव प्रक्रिया में काम करने वाले 10.5 लाख से ज्यादा बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ), राजनीतिक पार्टियों द्वारा नियुक्त लगभग 15 लाख बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए), लगभग 45 लाख पोलिंग अधिकारियों, 15,597 सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ), 4,123 निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और पूरे देश के 767 जिला चुनाव अधिकारियों (डीईओ) को फायदा होगा। यह ऐप लगभग बनकर तैयार है और इसका गहराई से परीक्षण किया जा रहा है ताकि यह आसानी से चले और पूरी तरह सुरक्षित रहे। इसे बनाने से पहले सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 36 मुख्य चुनाव अधिकारियों, 767 जिला अधिकारियों और 4,123 ईआरओ से राय ली गई है। साथ ही, चुनाव आयोग द्वारा समय–समय पर जारी किए गए चुनाव नियमों, निर्देशों और पुस्तिकाओं के 9,000 पन्नों वाले 76 प्रकाशनों की भी समीक्षा की गई है। ईसीआईनेट के माध्यम से दी जाने वाली जानकारी जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951, निर्वाचक पंजीकरण नियम 1960, निर्वाचन संचालन नियम 1961 और चुनाव आयोग द्वारा समय–समय पर जारी किए गए निर्देशों के कानूनी दायरे में ही रहेगी।

वक्फ कानून मुसलमानों की शरीयत पर हमला, हम नहीं बैठेंगे चुप : असदुद्दीन ओवैसी

किशनगंज, (एजेंसी)। एआईएमआईएम सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी ने मुस्लिम बहुल किशनगंज जिले के बहादुरगंज में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जनसभा में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंका। इस सभा में उन्होंने वक्फ संशोधन कानून को काला कानून और मुसलमानों की शरीयत पर हमला करार देते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। साथ ही, उन्होंने बहादुरगंज विधानसभा क्षेत्र से एआईएमआईएम के प्रत्याशी तौसीफ आलम के नाम पर सार्वजनिक रूप से मुहर लगाई। बहादुरगंज में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में ओवैसी सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बाएं हाथ पर काला पट्टा बांधकर वक्फ संशोधन

कानून के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी की। सभा की शुरुआत से पहले ओवैसी ने हाल ही में पलहगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रखा। उन्होंने कहा, जिन आतंकियों ने हमारे 26 लोगों की जान ली, उनके खिलाफ पीएम मोदी सख्त कार्रवाई करें। मृतकों के परिवारों को न्याय मिलना चाहिए।

राजनीति की बिसात पर अखिलेश यादव की चाल, छोटे मोहरों से बड़े दांव की तैयारी

लखनऊ, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने मिशन 2027 के लिए अपनी चालें शुरू कर दी हैं। इस बार अखिलेश यादव की निगाह उन छोटे–मझोले क्षत्रपों पर है, जिनका क्षेत्रीय असर बड़ा है। सियासी शतरंज पर बड़े खिलाड़ियों से टकराने के लिए अखिलेश उन नेताओं को अपने खेमे में ला रहे हैं, जो भाजपा–सुभासपा जैसे गठबंधनों में सेंध लगा सकते हैं। हाल ही में महेन्द्र राजभर की सपा में एंट्री ने इस योजना के संकेत दे दिए हैं। कभी सुभासपा मुखिया ओमप्रकाश राजभर के खास रहे महेन्द्र राजभर ने 2017 में मऊ सदर से बाहुबली मुख्तार अंसारी के खिलाफ चुनाव लड़ा था। तब पीएम मोदी ने खुद उनके लिए प्रचार किया, उन्हें कटप्पा कहा, लेकिन कुछ ही साल में महेन्द्र राजभर सुभासपा से अलग हो गए और अपने बलबूते पूरब में राजनीतिक जमीन मजबूत की। अब अखिलेश उन्हें भाजपा–सुभासपा के खिलाफ बड़ा हथियार बना सकते हैं, खासकर घोसी, बलिया, गाजीपुर जैसे इलाकों में, जहां राजभर प्रभावशाली माने जाते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के

मुताबिक, अखिलेश यादव का ध्यान अब सिर्फ ओबीसी नहीं, बल्कि दलित वोट बैंक को भी साधने पर है। लोकसभा चुनाव के बाद वह तेजी से दलित गोलबंदी की रणनीति पर काम कर रहे हैं। राणा सांगा विवाद को ठाकुर बनाम दलित मोड़ देना, बाबा साहेब अंबेडकर पर केंद्रित कार्यक्रमों की श्रृंखला, ये सब सपा की नई आक्रामक रणनीति का हिस्सा हैं। भाजपा की धर्म आधारित राजनीति की काट के लिए अखिलेश सामाजिक न्याय के एजेंडे को धार दे रहे हैं। वरिष्ठ विश्लेषक वीरेंद्र सिंह रावत का कहना है, "अखिलेश जानते हैं कि कांग्रेस के साथ रहना उनके लिए दलित परसेप्शन बनाए रखेगा। यही वजह है कि वह श्इंडियाश गठबंधन में बने रहने की बार–बार घोषणा कर रहे हैं। उनका मकसद हर उस जाति समूह को साथ जोड़ना है जो भाजपा के बड़े वोट बैंक में सेंध लगा सके।" सपा प्रवक्ता अशोक यादव कहते हैं, "छोटे दल, समान विचारधारा वाले नेता, सब हमारे साथ आ रहे हैं। पीडीए (पिछड़ा– दलित– अल्पसंख्यक) आंदोलन को मजबूत करना होगा। किसान, महिला, बेरोजगार जैसे वर्गों की लड़ाई लड़ना, और योगी सरकार को सत्ता से बेदखल करना हमारा मकसद है। इस सरकार की नीतियां जनविरोधी हैं,।

मोदी ने हताशा में लिया जाति जनगणना पर यू-टर्न : कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा जाति जनगणना का विरोध करते रहे हैं लेकिन कांग्रेस पार्टी के दबाव में उन्हें इस मुद्दे पर अचानक और हताशा भरा यू–टर्न लेने को मजबूर होना पड़ा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने आज यहां जारी एक बयान में कहा ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जातिगत जनगणना के मुद्दे पर एकदम अचानक और हताशा भरे यू–टर्न के पर्याप्त सबूत हैं।" रमेश ने कुछ सबूत गिनाते हुए कहा षपिछले साल 28 अप्रैल को एक टीवी इंटरव्यू में श्री मोदी ने जातिगत जनगणना की मांग करने वालों को श्अर्बन नक्सलश करार दिया था। मोदी सरकार ने 20 जुलाई 2021 को संसद में कहा था कि श्सरकार ने

नीतिगत निर्णय लिया है कि जनगणना में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अलावा अन्य किसी जाति की गणना नहीं की जाएगी।श देश की सर्वोच्च अदालत में 21 सितंबर 2021 को दाखिल हलफनामे में सरकार ने साफ कहा था–जनगणना 2021 के दायरे से किसी भी अन्य जाति की जानकारी को बाहर रखना केंद्र का एक सचेत नीतिगत निर्णय है।" कांग्रेस नेता ने कहा,षऐसा करके मोदी सरकार ने उच्चतम न्यायालय से ओबीसी के लिए जाति जनगणना का आदेश न देने का स्पष्ट आग्रह किया था – "ऐसी स्थिति मे न्यायालय द्वारा जनगणना विभाग को आगामी जनगणना 2021 में ग्रामीण भारत के पिछड़े वर्ग समुदायों से संबंधित सामाजिक–आर्थिक आंकड़ों को शामिल करने का कोई भी निर्देश देना अधिनियम की धारा 8 के तहत तैयार नीतिगत निर्णय में हस्तक्षेप करने के समान होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि क्या वह ईमानदारी से स्वीकार करेंगे कि उनकी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में जातिगत जनगणना पर अपनी नीति में आधिकारिक रूप से बदलाव किया है और क्या संसद और देशवासियों को बताएंगे कि सरकार की नीति में बदलाव की वजह क्या है और क्या अब जातिगत जनगणना करने के लिए समय सीमा तय की जाएगी।

संपादकीय

बुनियादी शिक्षा से गायब कृषि ज्ञान

शरीर और मन के स्वास्थ्य के लिए सर्वाधिक आवश्यक पर्यावरण है। इसमें भी सबसे महत्त्वपूर्ण है जल और भोजन यह मानव को तभी सहजता से उपलब्ध हो सकता है, जब कृषि की समुचित व्यवस्था हो। इस तरह मनुष्य के जीवन में पारंपरिक कृषि व्यवस्था अनिवार्य है। इस देश में राजनीतिक अकर्मण्यता, भ्रष्टाचार और आधुनिक विकास के तकनीकी कोण पर ही केंद्रित रहने की शासकीय महत्त्वाकांक्षा ने उद्योगों को प्रश्रय दिया और इसकी तुलना में कृषि क्षेत्र को उपेक्षित छोड़ दिया गया। खेती–किसानी की ऐसी उपेक्षा का प्रभाव भारतीय शिक्षा नीति पर पड़ा। फलतः प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के पाठ्यक्रमों में कृषि से संबंधित विषय–वस्तु अदृश्य है। श्अश से अमरूद और श्आश से आम के साथ आरंभ होनेवाली प्राथमिक शिक्षा में कृषि के बारे में ज्यादा कुछ नहीं है। यदि छोटी आयु से ही कृषि ज्ञान–विज्ञान नहीं पढ़ाया जाएगा, बड़ी कक्षाओं में जाने पर बच्चे इस विषय में रुचि कैसे दिखाएंगे। कक्षा तक पूरे बारह वर्षों की अवधि में जब बच्चों को कृषि और इसके विभिन्न उपक्रमों के बारे में पढ़ाया जाएगा, व्यावहारिक शिक्षण–प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और कृषि – कार्यों से संबंधित विभिन्न कार्यशालाओं में जाने का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा, तभी वे कृषि कार्यों के बारे में अपेक्षित ज्ञान से संचित हो पाएंगे। ऐसा होने पर ही उनका मन खेती से सिंचित हो पाएगा। द्य बच्चे यदि शुद्ध आहार–विहार अपनाने के प्रति जागरूक नहीं हैं, तो इसका प्रमुख कारण यही है कि उन्हें बालपन से ही विद्यालयों में इस संबंध में शिक्षित नहीं किया गया। इसीलिए उन्हें कृषि वर्ग की प्रमुख फसलों, खाद्यान्नों, फल–फूल, वन–वनस्पतियों और औषधियों के गुण–दोषों की जानकारी भी नहीं है और संभवतः यही कारण है कि वे खानपान की बुरी आदतों से ग्रस्त हैं। घर या विद्यालयों में उन्हें इस संदर्भ में औपचारिक ढंग से ही बताया जाता है। अभिभावक, शिक्षक और नीति– नियंता ही जब कृषि क्षेत्र की उपेक्षा कर रहे हों, तो बच्चे इस बारे में अपेक्षा के अनुरूप ज्ञान कैसे प्राप्त कर सकते हैं। उद्योगों, कार्यालयों और प्रगति संबंधी विभिन्न परियोजनाओं के लिए आए दिन वनक्षेत्र काटे जा रहे हैं। इस तरह से रोजाना ही कृषि क्षेत्र में कमी हो रही है। प्रकृति का असंतुलन कई दशकों से सार्वजनिक चिंता के केंद्र में है ही। प्राकृतिक असंतुलन के कारण जनजीवन प्रतिक्षण असुरक्षित होता जा रहा है। ऋतु की विकृतियां भयंकर रूप में सामने आ रही हैं। धरती, आकाश, जल, वायु और अग्नि ये सभी तत्त्व हर दिन मलिन हो रहे हैं। परिणामस्वरूप धरती का फसल चक्र बिगड़ चुका है। फसलों की प्राकृतिक शक्ति लगभग समाप्त हो चुकी है। खाद्यान्न उत्पादन पूरी तरह कृत्रिम, रसायनमिश्रित और विषैले उर्वरकों व खाद पर निर्भर हो चुका है। पारंपरिक और नैसर्गिक खाद्यान्न बीज विलुप्त होने की कगार पर हैं। ग्राम, ग्राम्य–जीवन, ग्रामीण व्यवस्था अपने अंतिम स्तर पर हैं। विज्ञान अभिशाप बन रहा है। चारों ओर आधुनिक जीवन द्वारा उत्पन्न की गई समस्याओं, रोगों और महामारियों की असुरक्षा फैली है।

खुफिया सूचना पूरी तरह पुख्ता क्यों नहीं हो पाती है

वाप्पला

कच्ची और अपुष्ट सूचनाओं का संग्रहण, मिलान, विश्लेषण, प्रसार, मध्यस्थता, नीति अधिनिर्णय और निर्णय लेने की प्रक्रिया के बाद ही कार्रवाई के लिए नीति बनायी जाती है। इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का गैप रहना पूरी सूचना उपलब्ध न हो पाने की स्थिति पैदा करेगा जिसमें सरकार के किसी भी विंग के पास पहले से ही किसी न किसी रूप में उपलब्ध तकनीकी बिंदुओं सहित खुफिया जानकारी नीति या कार्रवाई में बदलाव संभव नहीं होता है। बैसारन (पहलगाम, कश्मीर) में नरसंहार के सिलसिले में कुछ रिपोर्टों ने दावा किया कि यह एक श्खुफियाश या श्सुरक्षाश विफलता थी। अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि अमरनाथ मंदिर से 50 किलोमीटर दूर पर्यटकों के लोकप्रिय पिकनिक स्थल बैसारन घास के मैदानों को श्एकीकृत कमानश के तहत काम करने राज्य के किसी भी सुरक्षा समूह द्वारा असुरक्षित क्यों छोड़ दिया गया था? एक अपुष्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि पिकनिक स्थल को आधिकारिक तौर पर खोला नहीं गया था और इसलिए सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तार से तैयारी नहीं की गई थी। यह प्रयास इस चूक के लिए किसी को दोषी ठहराना नहीं बल्कि यह समझाना है कि सामान्य रूप से सरकारों द्वारा श्सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरोंश को कैसे प्रोसेस किया जाता है और इनमें श्फासलाश कैसे रखा जाता है। चूंकि जम्मू–कश्मीर एक संवेदनशील क्षेत्र है इसलिए राज्य पुलिस खुफिया विभाग के अलावा यहां देश भर के असैनिक नागरिक, सैन्य और अर्द्धसैनिक विभागों से संबंधित खुफिया एजेंसियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी है। यद्यपि राष्ट्रीय खुफिया एजेंसियां अपने मुख्यालय को रिपोर्ट करती हैं, इसके अलावा वे उप राज्यपाल और उनके अधीन श्एकीकृत कमानश को सुरक्षा परिदृश्य में किसी भी बदलाव से अवगत कराते हैं ताकि स्थानीय खतरे की अवधारणा के आधार पर निवारक तंत्र में उपयुक्त रूप से बदलाव किया जा सके। हालांकि इस तरह की खुफिया जानकारी जब उप राज्यपाल (जम्मू–कश्मीर में कानून और व्यवस्था अभी भी उनके अधीन है) जैसे उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट की जाती है तो उसे सावधानीपूर्वक सत्यापित किया जाना चाहिए क्योंकि इस तरह के अलर्ट के बाद की कार्रवाई के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव होते हैं। कच्ची और अपुष्ट सूचनाओं का संग्रहण, मिलान, विश्लेषण, प्रसार, मध्यस्थता, नीति अधिनिर्णय और निर्णय लेने की प्रक्रिया के बाद ही कार्रवाई के लिए नीति बनायी जाती है। इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का गैप रहना पूरी सूचना उपलब्ध न हो पाने की स्थिति पैदा करेगा जिसमें सरकार के किसी भी विंग के पास पहले से ही किसी न किसी रूप में उपलब्ध तकनीकी बिंदुओं सहित खुफिया जानकारी नीति या कार्रवाई में बदलाव संभव नहीं होता है। इसकी वजह से श्खुफिया या सुरक्षा विफलताश का अभाव महसूस होता है। खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों को अक्सर बेतरतीब तरीके से, टुकड़ों–टुकड़ों में आधी–अधूरी जानकारी मिलती है जो पूरी तस्वीर का खुलासा नहीं करती हैं, खासकर जब रुझान अल्पकालिक होते हैं। कई मौकों पर एजेंसियों के पास सुरक्षा संबंधी विषयों पर विविध, अपूर्ण या यहां तक कि परस्पर विरोधी खुफिया जानकारी होती है जिसके कारण नीति संबंधी निर्णय लेने वालों को एक परिपूर्ण तस्वीर प्राप्त करने के लिए सूचना के आंतरिक मतभेदों को सुलझाने के लिए एक सक्षम मध्यस्थ की आवश्यकता होती है। यह श्इंटेलिजेंस आर्बिट्रेशनश की प्रक्रिया है। यदि यह विफल रहता है तो सूचनाओं में अनेक रिक्त स्थान रह जाते हैं। ऐसा कई बार हुआ है। एक खुफिया मध्यस्थ भी खुफिया में लापता रिक्त स्थानों को भरने के लिए अपने स्वयं के दृष्टिकोण का उपयोग करता है। इसके लिए वह मीडिया जानकारी तक का उपयोग करता है जिसे श्ओपन–सोर्स इंटेलिजेंसश (ओएसआई) कहा जाता है। कानून और व्यवस्था अधिकारियों तथा राष्ट्रीय सूचना एजेंसियों द्वारा तैयार की गई सूचना के प्रसंस्करण में बहुत अंतर है। जहां राष्ट्रीय एजेंसियां श्रणनीतिकश खुफिया जानकारी देती हैं वहीं राज्य इकाइयां सामरिक जानकारी का मंथन करती हैं। श्रणनीतिकश जानकारी आम तौर पर पूरे देश को प्रभावित करने वाला दीर्घकालिक संकेत या लंबे समय सीमा का होता है जबकि श्सामरिकश सूचना अल्पकालिक रुझान है जो पुलिस कार्रवाई जैसे छोटे क्षेत्रों को प्रभावित करता है। हालांकि, विशेष रूप से विदेशी हस्तक्षेप के साथ आतंकवाद विरोधी कार्रवाई रणनीतिक और सामरिक आयाम ग्रहण कर सकती है जिसके लिए यह अध्ययन करने और अनुमान लगाने की क्षमता की आवश्यकता होती है कि विदेशी सरकारों या विदेश आधारित संगठन जैसे लश्कर हमारे खिलाफ कैसे काम करेंगे जिसे संभालने में केवल राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां ही सक्षम हैं। फिर भी, ऐसे मामले हैं जब यह प्रक्रिया पश्चिमी देशों में भी विफल रही थी। यूएस 9ध्11 आयोग ने अपनी रिपोर्ट श्फोरसाइट एंड हाइन्ड्साइटश (पूर्वानुमान और घटना के बाद उसकी कारण मीमांसा करना) के अध्याय 11 में इन रुझानों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि पूरी दुनिया में ओसामा बिन लादेन की बड़े पैमाने पर अमेरिका विरोधी गतिविधियां जारी रहने के बावजूद किसी भी एजेंसी ने 9ध्11 जैसे परिदृश्य का अंदाजा नहीं लगाया था। इस हमले में अमेरिकी यात्री विमानों को अमेरिका के खिलाफ हथियार बनाया गया थारू श्सीआईए ने संभावित अपहरण परिदृश्यों का कोई विश्लेषणात्मक आकलन नहीं लिखा थाश जबकि उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने सामूहिक विनाश के हथियार ले जाने में विदेशी विमान के उपयोग का अनुमान लगाया था। किसी ने नहीं सोचा था कि अल–कायदा अमेरिकी विमानों का इस्तेमाल करेगा। आयोग ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका में खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी संख्या के कारण भ्रम की स्थिति पैदा हो गयी एवं जिम्मेदारी कम हो गई थी। ऐसी चेतावनी जारी करने की जिम्मेदारी के लिए सीआईए में खाड़ी युद्ध के बाद 1992 में बनाए गए श्नेशनल इंटेलिजेंस ऑफिसर फॉर वार्निंगश का पद खत्म कर दिया गया और काउंटर–टेररिज्म सेंटर (सीटीसी) को यह जिम्मेदारी दी गई। हालांकि सीटीसी ने यात्री विमानों में हथियार रखने की संभावना पर एक भी चेतावनी जारी नहीं की। दूसरे शब्दों में, एक शीर्ष–भारी भरकम खुफिया संरचना होने के कारण बेहतर अलर्ट जारी नहीं हुए। इसी तरह मुंबई में 26ध्11 हमले पर पुलिस प्रतिक्रिया की जांच करने के लिए गठित समिति के सदस्य के रूप में महाराष्ट्र सरकार की विफलता पर ध्यान दिया जो उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर कुछ घटनाओं को देखने में विफल रही जिनका यदि अध्ययन किया जाता तो भयावह मुंबई हमले को रोका जा सकता था। 30 जुलाई, 2006 को सीएनएन–आईबीएन टीवी चौनल ने तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की चेतावनी के मद्देनजर हमारे पश्चिमी तटीय सुरक्षा उपायों का एक सर्वेक्षण प्रसारित किया कि हमारे परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठानों को पाकिस्तानी आतंकवादी समुद्र से निशाना बना सकते हैं। इसके बाद यह उम्मीद की गई कि महाराष्ट्र पुलिस तटीय गश्त को सतर्क व सशक्त करेगी। चौनल की टीम ने पाया कि तटीय गश्त कहीं नहीं देखी गई थी– श्यद्यपि बीएआरसी अब सीआईएसएफ की भारी सुरक्षा में है लेकिन यहां समुद्र के माध्यम से पहुंचे जाने की आशंका चिंता का कारण है। इसी चौनल ने 16 जून 2007 को एक और खबर प्रसारित की जिसे लेकर मुंबई और नई दिल्ली को चिंतित होना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि लश्कर–ए–तैयबा के आठ संदिग्ध आतंकवादियों ने मुंबई के पास समुद्री मार्ग से घुसपैठ की थी और उनमें से दो– अब्दुल मजीद और मोहम्मद जमील को जम्मू–कश्मीर पुलिस ने मार्च में राजौरी में गिरफ्तार किया था। समुद्री रास्ते से आतंकवादियों के घुसने की यह पहली ज्ञात घटना है। टीवी चौनल ने फिर से खबर दी थी जिससे संकेत मिलता है कि आठ आतंकवादियों ने 23 फरवरी को पाकिस्तान छोड़ दिया था व कथित लश्कर ऑपरेटिव आसिफ तथा अब्बास द्वारा संचालित एक भारतीय नाव में बैठ गए। भारतीय तट पर समीर नाम के एक अन्य ऑपरेटिव ने उनका स्वागत किया। चौनल ने जम्मू–कश्मीर के पुलिस महानिदेशक गोपाल शर्मा का भी साक्षात्कार लिया जिन्होंने कहा था– श्लश्कर के दो लोगों को राजौरी में गिरफ्तार किया गया था एवं उन्होंने सूचित किया है कि आठ लोग आए थे और हां, इस मामले में समुद्री मार्ग का इस्तेमाल किया गया था। अठारह महीने से भी कम समय के बाद 26ध्11 की घटना में दस आतंकवादियों ने मुंबई में तबाही मचाने के लिए नकली भारतीय (हिंदू) पहचान दस्तावेजों के साथ उसी मोडस ऑपरेंडी का इस्तेमाल किया। 2007 की रिपोर्ट में कहा गया था– श्जमील के पास शुरू में मुंबई के चेंबूर का एक छात्र आईडी था ।

.... विविध ....

2 फ्लेवर बच्चे को बिलकुल ना खिलाएं, मिलाते हैं ऐसी चीज जिसका कैंसर से कनेक्शन

बर्थ डे, एनिवर्सरी और अन्य खास मौकों पर केक (बंम) खाना सब पसंद करते हैं। ज्यादातर लोग सेलिब्रेशन के लिए केक को ही पहली ऑप्शन में रखते है लेकिन ये केक आपको कैंसर भी दे सकता है। उन्हें तैयार करने के लिए हानिकारक रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। कर्नाटक खाद्य सुरक्षा विभाग ने जनता को सतर्क रहते हुए ऐसे केक का चुनाव ना करने की सलाह दी है जो कृत्रिम रंगों से तैयार किए प्रकार के केक से नहीं, बल्कि उसमें मौजूद कुछ हानिकारक तत्वों के कारण बढ़ सकता है। यहां कुछ ऐसे कारक हैं जो केक में हो सकते हैं और जिनसे कैंसर का खतरा बढ़ सकता है...

जी हां खुशियों में मिठास घोलने वाला ये केक आपकी सेहत को खतरे में डाल सकता है। हाल ही में बेंगलुरु रिपोर्ट में जो तथ्य सामने आए हैं उसने सबकी चिंता बढ़ा दी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ केक में ऐसे कृत्रिम रंग इस्तेमाल किए जा रहे हैं जो कैंसर व कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

रेड वेलवेट और ब्लैक फॉरेस्ट खाने से कैंसर

हाल ही में कर्नाटक सरकार ने राज्य के 235 केक के नमूने लिए थे, जिसमें 223 नमूने सुरक्षित पाए गए लेकिन 12 तरह के केक में खतरनाक स्तर पर कृत्रिम रंग मिले। ये रंग स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। रेड वेलवेट और ब्लैक फॉरेस्ट जैसे केक अपनी खूबसूरत रंगत के लिए मशहूर हैं, जा रहे हैं। यह रंग, शरीर में कैंसर कोशिकाओं को बढ़ावा दे सकता है। खासतौर पर बच्चों के लिए ऐसे रंग काफी नुकसानदेह है क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है।

हैल्दी केक का चुनाव करें

अगर आप केक का स्वाद ही लेना चाहते हैं तो घर पर खुद केक बनाकर खाएं। ऐसे केक खाए जिसे नैचुरल कलर से तैयार किया जाता है और ये रंग ताजे फलों और सब्जियों के प्राकृतिक रंग निकालकर तैयार किए जाते हैं। ये केक आपके शरीर को नुकसान नहीं देंगे। कुछ खास मौकों पर कभी–कभार खाया केक कम नुकसान पहुंचाता है लेकिन केक का सेवन बहुत अधिक करने वालों को इसके बहुत से नुकसान हो सकते हैं।

कैंसर का खतरा किसी विशेष

ज्यादा शुगरः बहुत ज्यादा चीनी का सेवन, मोटापे और मधुमेह का कारण बन सकता है, जिससे कैंसर के कुछ प्रकारों (जैसे स्तन, कोलन और अग्नाशय कैंसर) का खतरा बढ़ सकता है। बहुत अधिक शक्कर से बनी केक खाने से यह जोखिम बढ़ सकता है।

रिफाइंड आटा – सफेद आटे से बने केक में फाइबर की मात्रा कम होती है, और इसे नियमित रूप से खाने से शरीर में ब्लड शुगर का स्तर बढ़ सकता है, जो कैंसर का एक प्रमुख जोखिम कारक माना जाता है।

ट्रांस फैट्स– ट्रांस फैट्स, जो हाइड्रोजनीकृत तेलों में पाए जाते हैं, कई तरह के प्रोसेस्ड फूड्स, जैसे केक, में इस्तेमाल होते हैं। ट्रांस फैट्स को कैंसर के खतरे से जोड़ा गया है, खासकर कोलन और स्तन कैंसर से।

प्रिजरवेटिव्स और एडिटिव्स– केक में कई बार आर्टिफिशियल प्रिजरवेटिव्स और एडिटिव्स डाले जाते हैं, जो लंबे समय तक खाने में उपयोग होने पर कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। जैसे, ब्यूटिलेटेड हाइड्रोक्सीटोल्यून और ब्यूटिलेटेड हाइड्रोक्सीएनिसोल जैसे प्रिजरवेटिव्स को कुछ अध्ययनों में कैंसर के खतरे से जोड़ा गया है।

अत्यधिक प्रोसेस्ड केकरू जो केक बहुत अधिक प्रोसेस्ड होते हैं, उनमें संरक्षित सामग्री, रंग, और स्वाद बढ़ाने वाले तत्व होते हैं, जिनसे स्वास्थ्य को हानि हो सकती है।

केक खाने के और नुकसान

मोटापाः केक में कैलोरी और वसा की मात्रा अधिक होती है जो वजन बढ़ने का कारण बन सकती है।

डायबिटीजः केक में चीनी की मात्रा बहुत अधिक होती है जो मधुमेह के खतरे को बढ़ा सकती है।

दिल को खतरा– केक में वसा और चीनी की मात्रा अधिक होती है, जो हृदय रोग के खतरे को बढ़ा सकती है।

दांतों की समस्या– केक दांतों की सड़न और अन्य दंत समस्याओं का कारण बन सकती है। जो बच्चे बहुत ज्यादा केक का सेवन करते हैं उन्हें ये समस्या जल्दी होने लगती है।

पाचन खराबः केक में वसा और चीनी की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकती है। केक में पोषक तत्वों की कमी होती है जैसे फाइबर और विटामिन नहीं होते।

एलर्जी– केक में एलर्जी पैदा करने वाले तत्व हो सकते हैं, जैसे कि गेहूं, डेयरी या नट्स एलर्जी।

त्वचा को नुकसानः ज्यादा चीनी स्किन को नुकसान पहुंचाती है, इससे मुंहासे और झुर्रियां की समस्या होती है।

कमजोर हड्डियांः केक में चीनी की मात्रा अधिक होती है, जो हड्डियों को कमजोर कर सकती है।

गर्भ का कैंसर– रिपोर्ट के मुताबिक हफ्ते में दो से तीन बार केक खाने वाली महिलाओं में गर्भ का कैंसर होने का खतरा 33 प्रतिशत बढ़ जाता है।

बिना पार्लर जाए पाएं दमकती त्वचा, घर पर खुद से करें फेशियल, चमक जाएगा चेहरा

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम सभी अपनी त्वचा की देखभाल के लिए समय नहीं निकाल पाते। ऐसे में फेशियल एक बेहतरीन तरीका है अपनी त्वचा को निखारने का, लेकिन पार्लर जाने का समय और खर्चा दोनों ही हमारे लिए मुश्किल हो सकते हैं। लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है, क्योंकि आप घर पर ही आसानी से फेशियल कर सकते हैं। घर पर फेशियल करने से न सिर्फ आपकी त्वचा चमकदार होती है, बल्कि यह भी आपकी त्वचा को अच्छे से साफ करता है और उसमें नमी बनाए रखता है। आइए जानें, घर पर फेशियल करने के आसान उपाय।

चेहरे को अच्छे से साफ करें

फेशियल की शुरुआत चेहरे को अच्छे से साफ करने से करें। इसके लिए सबसे पहले अपने चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से धो लें। फिर एक अच्छे फेशियल क्लीनजर या फेस वाश का इस्तेमाल करें, जिससे आपके चेहरे से गंदगी, तैलीय तत्व और मैकअप हट जाएं। यह आपकी त्वचा को साफ करने का पहला कदम है, जो फेशियल के बाकी स्टेप्स के लिए तैयार करेगा।

स्टीम लें

अब चेहरे को स्टीम देने की बारी है। स्टीम से चेहरे के रोमछिद्र खुल जाते हैं, जिससे गंदगी और अशुद्धियां बाहर निकलती हैं। इसके लिए एक बर्तन में गर्म पानी लें और उसका भाप चेहरे पर डालें। आप एक तौलिये से सिर को ढक सकते हैं, जिससे भाप पूरी तरह से चेहरे पर पहुंचे। स्टीम लेने से आपकी त्वचा को हल्की नमी मिलेगी और ब्लैकहेड्स भी साफ होंगे।

स्क्रब करें

स्क्रबिंग से आपकी त्वचा से मृत कोशिकाएं हट जाती हैं और त्वचा में ताजगी आती है। घर पर स्क्रब बनाने के लिए आप हल्दी और दही का मिश्रण, चीनी और शहद का मिश्रण, या फिर ओट्स और दही का पैक बना सकते हैं। इन घरेलू सामग्री से बने स्क्रब को अपने चेहरे पर अच्छे से रगड़ें, फिर पानी से धो लें।

फेस पैक लगाएं

अब बारी आती है फेस पैक लगाने की। फेस पैक त्वचा को नमी और पोषण देता है। आप अपनी त्वचा के अनुसार पैक का चुनाव कर सकते हैं। अगर आपकी त्वचा सूखी है, तो शहद और एलोवेरा का पैक उपयोग करें। तैलीय त्वचा के लिए मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल का पैक अच्छा रहेगा। पैक को चेहरे पर लगाकर 15–20 मिनट तक छोड़ दें, फिर गुनगुने पानी से धो लें।

हल्का मसाज करें

फेशियल में हल्के मसाज का अहम योगदान है। यह चेहरे की रक्त संचार को बेहतर बनाता है और त्वचा को टोन करता है। आप नारियल तेल, जैतून तेल, या फिर गुलाब जल से चेहरे पर हल्का मसाज कर सकते हैं। मसाज करते समय उंगलियों को गोल–गोल घुमाकर चेहरे पर हल्के हाथों से दबाव डालें। यह न सिर्फ आपके चेहरे को आराम देगा, बल्कि त्वचा की गहराई से सफाई भी करेगा।

टोनर का इस्तेमाल करें

फेशियल के बाद त्वचा को टोन करने के लिए टोनर का इस्तेमाल करें। टोनर से चेहरे के रोमछिद्र संकुचित हो जाते हैं और त्वचा में नमी बनी रहती है। आप घर पर ही गुलाब जल का इस्तेमाल टोनर के रूप में कर सकते हैं।

नमी बनाए रखें

अपनी त्वचा को मॉइस्चराइज करें। यह कदम त्वचा को नरम और मुलायम बनाने के लिए जरूरी है। आप अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार अच्छा मॉइस्चराइजर इस्तेमाल कर सकते हैं। घर पर फेशियल करने से न सिर्फ आपकी त्वचा साफ होती है, बल्कि यह आपके चेहरे की चमक को भी बढ़ाता है। इसके लिए आपको महंगे ब्यूटी पार्लर जाने की जरूरत नहीं होती, बल्कि आप अपनी रसोई में मौजूद प्राकृतिक चीजों से खुद का फेशियल कर सकते हैं। अगर आप नियमित रूप से यह फेशियल करते हैं, तो आपकी त्वचा निखरी हुई, ताजगी से भरी और दमकती हुई रहेगी।

पढ़ाई का दबाव भी बच्चों को दे रहा पेट दर्द, संजय गांधी पीजीआई में हुए अध्ययन को जेजी ओपन जर्नल में मिला स्थान

लखनऊ, (संवाददाता)। बच्चों पर पढ़ाई का बढ़ता बोझ उनके पेट दर्द की भी वजह बन रहा है। लखनऊ स्थित संजय गांधी पीजीआई में हुए अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया है। इसके मुताबिक 39.3 प्रतिशत बच्चों में पेट दर्द की वजह तनाव और 22.3 फीसदी में तनाव का कारण पढ़ाई का दबाव था। पीजीआई के पीडियाट्रिक गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में हुआ यह अध्ययन जेजी ओपन जर्नल में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में अप्रैल 2018 से मार्च 2020 के दौरान विभाग में आए 3973 बच्चों को शामिल किया गया। इनमें से 479 को पेट दर्द की समस्या थी। इन बच्चों की औसत आयु 12.3 वर्ष थी। इनमें से 60 फीसदी बालक और 40 फीसदी बालिकाएं थीं। इन बच्चों की विस्तृत जांच की गई। 83.7 फीसदी का अल्ट्रासाउंड भी किया गया, लेकिन दर्द की विशेष वजह सामने नहीं आई। डॉ. जयेंद्र सीतारामन, डॉ. उज्जवल पोद्दार, डॉ. अंशु श्रीवास्तव, डॉ. मोइनाक सेन शर्मा और डॉ. सुरेंद्र कुमार याच्छा ने यह अध्ययन किया है।

बच्चों में तनाव के अन्य कारण भी

अध्ययन के दौरान बच्चों में तनाव के अन्य कारण भी मिले। 6.8 फीसदी मामले में अभिभावकों का दबाव वजह निकली। 4.1 फीसदी भाई–बहन का प्रदर्शन और 2.1 फीसदी बच्चों में तनाव सहपाठियों की छेड़छाड़ की वजह से था।

63 फीसदी में नहीं मिली दर्द की ठोस वजह

अध्ययन में पेट दर्द की समस्या वाले करीब 63 फीसदी बच्चों में इसका कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया। 15 फीसदी में कार्यात्मक अपच, 17.4 फीसदी में चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम (आईबीएस) और 4.6 फीसदी में पेट दर्द के एक से ज्यादा कारण थे। बच्चों ने उल्टी, पानी जैसा मल और कब्ज की समस्या भी बताई।

एलडीए को सौंपी गई जेपीएनआईसी की जिम्मेदारी, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान की तर्ज पर होगा शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आठ वर्षों से बंद जय प्रकाश नारायण इंटरनेशलन सेंटर (जेपीएनआईसी) जल्द ही खुलेगा। सरकार ने इसकी कमान लखनऊ विकास प्राधिकरण को सौंप दी है। हैंडओवर के बाद अब सेंटर की जिम्मेदारी एलडीए की ही होगी। इसे इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान की तर्ज पर चलाया जाएगा। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार जेपीएनआईसी एलडीए को हैंडओवर कर रही है। इसके संचालन के लिए नीतियां बनाई जाएंगी। अधिकारियों ने बताया कि जेपीएनआईसी को बहुउद्देश्यीय सम्मेलन केंद्र के रूप में तैयार किया गया था। करीब 18.6 एकड़ में फैले इस केंद्र का निर्माण वर्ष 2013 में शुरू किया गया था। इसका ठेका रियल एस्टेट कंपनी शालीमार के संजय सेठ को दिया गया। वर्ष 2016 तक इस केंद्र की इमारत पर 813 करोड़ रुपये खर्च किए गए। 11 अक्तूबर 2016 को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। ऑल वेदर ओलंपिक साइज स्वीमिंग पूल और बहुउद्देश्यीय कोर्ट में खेलों से जुड़ी प्रस्तुति भी कराई गई। बाद में इस हिस्से को बंद कर दिया गया।

रख–रखाव पर खर्च होंगे 70 करोड़

अधिकारियों ने बताया कि जेपीएनआईसी को लीज पर देने का फैसला किया गया था। पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर इसे चलाने के लिए 100 करोड़ रुपये के खर्च का आकलन हुआ, लेकिन सरकार से मंजूरी नहीं मिली। सेंटर का स्वीकृत बजट 864 करोड़ रुपये था। इसे संशोधित कर 920 करोड़ रुपये किया गया।

लगाए गए थे भ्रष्टाचार के आरोप

वर्ष 2017 में प्रदेश में योगी सरकार आने के बाद आवास राज्यमंत्री सुरेश पासी ने जेपीएनआईसी के निर्माण में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। इसके बाद सरकार ने जांच के आदेश दिए थे। इसके चलते सेंटर को बंद कर दिया गया था।

जेपीएनआईसी की खासियत

जेपीएनआईसी में दो हजार लोगों की क्षमता वाला कन्वेंशन हॉल है। इसके अलावा 107 कमरों वाला लग्जरी होटल, जिम, स्पा, सैलून, रेस्त्रां, स्वीमिंग पूल, बैडमिंटन, टेनिस व स्क्वैश कोर्ट के अलावा डाइविंग पूल भी है। 1200 वाहनों के लिए बहुमंजिला पार्किंग और जयप्रकाश नारायण के जीवन और विचारों से जुड़ा संग्रहालय भी है। 19 मंजिला इमारत में ओपन एयर रेस्त्रां और हेलीपैड भी है।

संक्षिप्त समाचार

क्लीनिक में घुसकर फार्मासिस्ट पर हमला, सरिया–डंडों से मरने तक पीटा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी में शनिवार देर रात आरोपियों ने एक फार्मासिस्ट की पीट–पीट कर हत्या कर दी। वारदात को क्लीनिक में घुसकर अंजाम दिया गया। घटना सीसीटीवी में न कैद हो इसलिए पहले सीसीटीवी तोड़ दिया। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। घटना मसौली थाना क्षेत्र के मलौली गांव की है। क्षेत्र के ही डडियम गांव निवासी सत्येंद्र मौर्य (30) की देर रात करीब 11.30 बजे कुछ लोगों ने पीट–पीट कर हत्या कर दी। सत्येंद्र डीफार्मा करने के बाद मलौली में क्लीनिक चलाता था। रात में भी वहीं रुकता था। क्लीनिक में लगे सीसीटीवी तोड़ दिए देर रात कुछ लोग पहुंचे। क्लीनिक खुलवाकर डंडों एवं सरिया से हमला बोल दिया। उसे तब तक पीटा जब तक कि वह मर नहीं गया। आरोपियों ने इससे पहले क्लीनिक में लगे सीसीटीवी तोड़ दिए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एलडीए की लापरवाही से पहले बिना अधिग्रहण बेचे प्लॉट अब निरस्त किया आवंटन

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में एलडीए ने बसंतकुंज योजना के सेक्टर–ए में वर्ष 2022 में आवंटित 272 भूखंडों का आवंटन निरस्त कर दिया है। आवंटन लॉटरी से हुआ था। योजना की समीक्षा में सामने आया कि जिन भूखंडों का आवंटन किया गया था, वे एलडीए के पास थे ही नहीं। किसानों से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी किए बिना

ही तत्कालीन अधिकारियों ने पंजीकरण खोलकर प्लॉट आवंटित किए थे। बाद में जमीन पर हाईकोर्ट से स्टे हो गया। वहीं, खरीदारों का कहना है कि जमीन की जांच किए बिना ही प्लॉट आवंटित करना बड़ी लापरवाही है।

कई खरीदारों ने बैंकों से कर्ज लेकर किस्तें भरी थीं। अब उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। दूसरी जगह प्लॉट दे एलडीए आवंटी शालिनी गौतम ने बताया कि उन्हें सेक्टर–ए में प्लॉट संख्या 3ध्303 आवंटित हुआ था। वह प्लॉट की रजिस्ट्री के लिए एलडीए के चक्कर लगा रही थीं। हर बार कोई न कोई बहाना बनाकर रजिस्ट्री टाली जाती रही। अब अचानक आवंटन निरस्त कर दिया गया।

जातिगत जनगणना की घोषणा ने उड़ा दी है सपा अध्यक्ष की नींद : ओपी राजभर

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। अखिलेश के सत्ता में आने पर गोमती रिवर फ्रंट पर महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा लगवाने संबंधी बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा अध्यक्ष को पिछड़ों और दलितों को ठगने की पुरानी आदत है। राजभर ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा जातीय जनगणना कराने के फैसले ने अखिलेश की नींद उड़ा दी है। वह भीतर से हिल गए हैं और उन्हें पिछड़ा और दलित वोट बैंक छिटकने का डर सताने लगा है। राजभर समाज को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं राजभर ने कहा कि जब तक सपा अध्यक्ष सत्ता में रहे, उन्हें कभी महाराजा सुहेलदेव की याद नहीं आई। अब वोट बैंक की राजनीति के लिए राजभर समाज को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन समाज अब उनके झांसे में नहीं आएगा। राजभर ने तंज कसते हुए कहा कि जो अपने पिता और चाचा का नहीं हो सका, वो राजभर समाज का क्या होगा? सपा अध्यक्ष ने न तो बसपा को छोड़ा, न जयंत चौधरी को, उनकी फितरत केवल ठगने की है। उन्होंने कहा कि वह अखिलेश के साथ रह चुके हैं और उनकी कार्यशैली को अच्छे से जानते हैं। जनगणना के बाद अखिलेश का वोट बैंक खिसक जाएगा ।उन्होंने आरोप लगाया कि जातिगत जनगणना के बाद अखिलेश का वोट बैंक खिसक जाएगा। इसलिए, वह अब राजभर समाज को धोखा देने की कोशिश में जुट गए हैं। राजभर ने समाजवादी पार्टी पर दलितों को श्गुलामश समझने का भी आरोप लगाया।

टैक्स चोरी में फंसे राज्य कर के चार अफसर, 165 करोड़ की चोरी उजागर

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में राज्य कर विभाग में 600 करोड़ रुपये के हेरफेर से जुड़े मामले में चार वरिष्ठ अधिकारी फंस गए हैं। कानपुर से जुड़े इस प्रकरण में करीब 165 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की रिपोर्ट तैयार की गई है। इसमें अपर आयुक्त स्तर के एक, संयुक्त आयुक्त स्तर के एक और उपायुक्त स्तर के दो अधिकारियों के नाम हैं। कानपुर की एक मसाला और तंबाकू निर्माता फर्म की जांच राज्य कर विभाग की विशेष जांच शाखा ने की थी। जांच अपर आयुक्त स्तर के अधिकारी ने कराई थी। जांच में मसाला इकाई में आठ मशीनें मिलीं थीं। एक मशीन की स्पीड प्रति मिनट 2000 पाउच तैयार करने की होती है। विभाग के स्तर से 1000 पाउच प्रति मिनट की गणना की जाती है। लेकिन जांच अधिकारियों ने केवल 400 पाउच प्रति मिनट की स्पीड के आधार पर उत्पादन की रिपोर्ट बनाई। दोबारा जांच में भी इसी गणना के हिसाब से रिपोर्ट दाखिल की गई। आठ मशीनों के बजाय एक मशीन की रिपोर्ट लगाई गई। इस तरह करीब 600 करोड़ के टर्नओवर को छिपाकर लगभग 165 करोड़ की कर चोरी को छिपाया गया।

मूल तैनाती से हटाकर मुख्यालय से सम्बद्ध किया गया

इसी आधार पर संबंधित निर्धारण अधिकारी ने भी आदेश पारित कर दिया। पूरे मामले में अपर आयुक्त ग्रेड वन ने चार अधिकारियों के खिलाफ चार्जशीट की संस्तुति करते हुए रिपोर्ट शासन को भेज दी है।

संक्षिप्त समाचार

चार एसीपी और दो थानेदारों के कार्यक्षेत्र बदले, एसओ चिनहट हटाए गए

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस आयुक्त ने चार एसीपी के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। इसके अलावा एक थानेदार को पद से हटाते हुए दो थानेदारों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया गया है। पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने शनिवार को एसीपी विभूतिखंड राधा रमण सिंह को एसीपी ट्रैफिक, एसीपी गोमतीनगर विनय कुमार द्विवेदी को एसीपी विभूतिखंड, एसीपी अलीगंज व्रज नारायण सिंह को एसीपी गोमतीनगर और एसीपी अपराध धर्मेंद्र कुमार रघुवंशी को एसीपी अलीगंज की जिम्मेदारी दी है। चिनहट एसओ भरत पाठक को लाइन भेज दिया है। वजीरगंज इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र को चिनहट का नया इंस्पेक्टर बनाया गया है। इंस्पेक्टर गोमतीनगर राजेश कुमार त्रिपाठी को इंस्पेक्टर वजीरगंज, प्रभारी एंटी टोबैको सेल ब्रजेश कुमार तिवारी को इंस्पेक्टर गोमतीनगर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अंग्रेज अफसर ने एक दिन बाद दी थी रानी लक्ष्मीबाई की मृत्यु की सूचना

लखनऊ, (संवाददाता)। अंग्रेजों से युद्ध करते हुए झांसी की रानी लक्ष्मीबाई को 18 जून 1858 को वीरगति प्राप्त हुई थी। दरअसल रानी उस समय मर्दाना वेष में थीं, इसलिए उनकी मृत्यु की सूचना आमजन तक देरी से पहुंच सकी थी। उनकी वीरगति की पुष्टि एक टेलीग्राम से स्पष्ट हुई थी। यह टेलीग्राम 19 जून 1858 को ग्वालियर से आर. हैमिल्टन ने कलकत्ता में लार्ड कैनिंग को भेजा था। इसमें लिखा था कि एक दिन पहले 18 जून को रानी लक्ष्मीबाई की युद्ध में मौत हो गई है। राजकीय अभिलेखागार में इन दिनों चल रही प्रदर्शनी में टेलीग्राम की इस प्रति को हर कोई उत्सुकता से देख रहा है। 10 मई तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में कई दुर्लभ दस्तावेज हैं। यहां रानी लक्ष्मीबाई के हाथ से बुंदेली भाषा में लिखा वह पत्र भी मौजूद है जिसमें उन्होंने नाना साहब से अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध के लिए मदद की गुहार लगाई थी। इस पत्र पर 19 फरवरी 1858 की तारीख लिखी है। रानी ने नाना साहब से मदद के लिए जल्द से जल्द सेना भेजने को कहा था। प्रदर्शनी में ही एक और दस्तावेज है जिससे इस बात का प्रमाण मिलता है कि अंग्रेजों ने रानी लक्ष्मीबाई और नाना साहब की कितनी संपत्ति जब्त की थी। पत्र में जब्त संपत्ति की कुल कीमत उस समय 33,296 रुपये दर्शाई गई थी। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में नाना साहब पेशवा कानपुर से अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति का नेतृत्व कर रहे थे। नाना साहब ने अग्रेजों को नाकों चने चबाने पर मजबूर कर दिया था। बौखलाए अंग्रेजों ने उन्हें पकड़ने में मदद करने वाले को उस समय एक लाख रुपये के इनाम की घोषणा की थी। इसके लिए ईस्ट इंडिया कंपनी ने उर्दू और फारसी भाषा में एक इश्तहार जारी किया था। इस इश्तहार की एक प्रति राजकीय अभिलेखागार में लगी प्रदर्शनी में भी रखी गई है। उस समय नाना साहब पर रखे गए ।

माद्री व नेहा पर एफआईआर का विरोध, वामपंथी संगठनों का प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के भाषा विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर माद्री काकोटी और नेहा सिंह राठौर की विवादित टिप्पणी को लेकर दर्ज हुई एफआईआर के विरोध में शनिवार को छात्र संगठन आइसा व वामपंथी संगठनों ने प्रतिरोध मार्च निकाला। लविवि के गेट नंबर एक से परिवर्तन चौक तक जाने वाले इस मार्च को पुलिस ने शुरू होते ही रोक दिया।

दहेज के लिए तोड़ी शादी, वाणिज्य कर अधिकारी पर एफआईआर

लखनऊ, (संवाददाता)। चिनहट थाने में आजमगढ़ के तरवा भिलीहिली निवासी युवती के पिता ने गाजियाबाद में तैनात वाणिज्य कर अधिकारी (जीएसटी) सचिन सिंह के खिलाफ दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत केस दर्ज कराया है। आरोप है कि अयोध्या के देवगढ़ निवासी सचिन सिंह से बेटी की शादी 51 लाख रुपये और एक कार दहेज में देने के साथ तय हुई थी, लेकिन आरोपियों ने दहेज की अतिरिक्त मांग कर रिश्ता तोड़ दिया। थाना प्रभारी के मुताबिक आरोपों की जांच की जाएगी। युवती के पिता का आरोप है कि गोरखपुर में एडीएम सचिन के चाचा विनीत सिंह के यहां दहेज के 30 लाख रुपये नकद दिए थे। इस दौरान सचिन के पिता विनोद सिंह और चाचा विनीत सिंह मौजूद थे। इसके बाद 20 अप्रैल 2024 को आजमगढ़ स्थित होटल ग्रांड एसआर में वरीक्षा व गोदभराई का कार्यक्रम किया गया। शादी की तारीख 23 नवंबर 2024 को तय हुई। इसके लिए इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान को बुक भी करा लिया था। पीड़ित का कहना है कि कुछ दिन बाद आरोपियों ने 50 लाख रुपये और मांगे। आरोपियों ने कहा कि दूसरा रिश्ता आया है जो एक करोड़ दे रहे हैं। इस पर पीड़ित ने बरात वाले दिन 50 लाख रुपये और देने की बात कही।

अफसर की शादी रुकवाने के लिए पुलिस से लगाई गुहार

पीड़ित को पता चला कि सचिन ने दूसरी जगह रिश्ता तय कर लिया है और आठ मई को अर्जुनगंज स्थित रिजॉर्ट में शादी करने जा रहा है। इसकी जानकारी मिलते ही पीड़ित ने पुलिस आयुक्त से मुलाकात की और कार्रवाई की मांग की। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों की वजह से उनकी बेटी को मानसिक आघात पहुंचा, सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल हुई और आर्थिक क्षति हुई। पीड़ित ने पुलिस से आरोपी की शादी रुकवाने की मांग की है। वहीं, वाणिज्य कर अधिकारी सचिन सिंह से उनका पक्ष जानने की कोशिश की गई, पर उनसे संपर्क नहीं हो सका।

नेपाल सीमा से सटे जिलों के सौ से ज्यादा मदरसे सील, सबसे ज्यादा श्रावस्ती के 68 मदरसे हुए सील

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई शनिवार को भी जारी रहा। प्रदेश के पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अब तक महाराजगंज में 33 अवैध धार्मिक स्थल और मदरसे मिले हैं, जबकि सिद्धार्थनगर में 21 अवैध धार्मिक स्थल और मदरसे मिले हैं। वहीं सर्वाधिक कार्रवाई श्रावस्ती जनपद में हुई है। यहां अब तक 68 अवैध मदरसे सील किये गये हैं, साथ ही 164 के खिलाफ बेदखली की कार्रवाई की गई है। वहीं पीलीभीत में भी एक अवैध धार्मिक स्थल मिला है। प्रशासन ने इसमें शामिल 6 लोगों के नाम नोटिस जारी किया है।

महाराजगंज में 33 में से 32 पर हुई कार्रवाई

महारागंज जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि कुल 33 अवैध धार्मिक स्थल और मदरसे चिह्नित किये गये हैं। इनमें से 19 मदरसे हैं, जिनमें से 4 के कब्जे हटाये गये हैं, 14 कब्जों के सापेक्ष 67(1) की कार्रवाई की गई है, जबकि एक का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। इसी प्रकार 10 अवैध धार्मिक स्थलों पर 67(1) की कार्रवाई की गई है। ऐसे ही सरकारी जमीन पर बनाए गये चार मजारों में से दो को हटा दिया गया है। एक में 67(1) की कार्रवाई की गई है, जबकि एक को वन विभाग की ओर से नोटिस दी गई है।

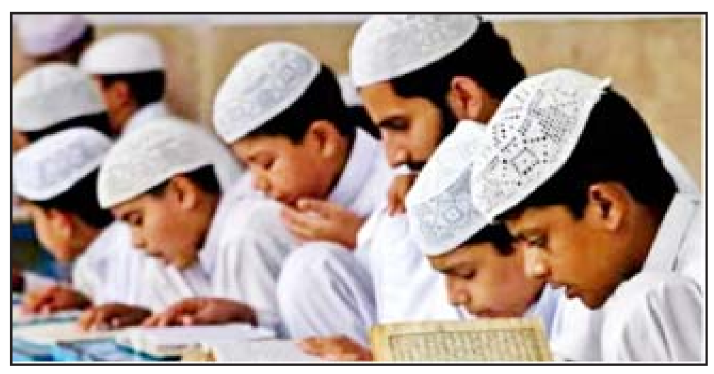

सिद्धार्थनगर में 21 से सभी 21 अवैध कब्जों पर हुई कार्रवाई

सिद्धार्थनगर जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में नेपाल सीमा से 10 किलोमीटर अंदर तक कुल 21 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं, जिनमें चार अवैध धर्मस्थल और 17 अवैध मदरसे शामिल हैं। जिला प्रशासन ने 20 अतिक्रमणों को नोटिस जारी की है, जबकि एक अतिक्रमण को हटा दिया गया है।

बलरामपुर में बंद कराए गये 16 अवैध मदरसे

बलरामपुर जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में अबतक 34 अवैध मदरसे, धार्मिक स्थल और मजार चिह्नित किये गये हैं। इनमें से 6 से कब्जा हटाया गया है। 16 मदरसे बंद करा दिये गये हैं और 12 को नोटिस दी गई है। एक स्थान पर ईदगाह बना हुआ है, जिसपर कार्रवाई जारी है।

पीलीभीत में 6 लोगों के खिलाफ नोटिस जारी

पीलीभीत जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में अबतक केवल एक अवैध धार्मिक स्थल मिला है। जिसमें 6 लोगों को नोटिस दे दी गई है।

श्रावस्ती में 68 मदरसे सील, 164 पर बेदखली की कार्रवाई

श्रावस्ती जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में बिना मान्यता के चल रहे 68 मदरसों को सील कर दिया गया है, जबकि 164 मदरसों पर बेदखली की कार्रवाई की गई है। इसके अतिरिक्त भिनगा तहसील के ग्राम भरथा रोशनगढ़ में एक अवैध धर्मस्थल के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की गई है।

समस्याओं के जल्द निस्तारण के दिए गए आदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनीनगर तहसील में शनिवार को एडीएम एफआर ज्योति गौतम की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस मौके पर नागरिकों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें अधिकारियों के समक्ष पेश किया। इन शिकायतों पर गौर करने के बाद अधिकारियों ने सभी संबंधित अधिकारियों को उक्त समस्याओं का जल्द निस्तारण करने के आदेश दिए हैं। पेश है संपूर्ण समाधान दिवस पर कुछ नागरिकों की शिकायतें...। बिजनौर के कल्प सिटी निवासी धर्मेंद्र शर्मा के पड़ोसी सुनील श्रीवास्तव ने बिजली विभाग के कुछ कर्मचारियों के साथ मिलकर बिजली के पोल को अपने घर के सामने से जेसीबी के जरिये हटाकर धर्मेंद्र शर्मा की दीवार से सटाकर लगवा दिया। धर्मेंद्र का कहना है कि दीवार के किनारे खंभा लग जाने से उनके घर के छोटे बच्चों के लिए खतरा पैदा हो गया है। खंभे के सहारे चोर भी घर में घुस सकते हैं। इसकी शिकायत धर्मेंद्र शर्मा ने शनिवार को सरोजनी नगर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में की। बताया कि मना करने पर सुनील श्रीवास्तव लड़ाई पर आमादा हो गए। बीते दिनों तहसील दिवस पर शिकायत के बावजूद कोई असर नहीं हुआ। यही नहीं मामले की जांच कर रहे उपनिरीक्षक डीके कश्यप उनके घर पहुंचे और उन्हें व उनके बेटे पीयूष को शांति भंग की आशंका में पाबंद करने के लिए एसीपी कृष्णा नगर को रिपोर्ट भेज दी। आरोप लगाया कि पुलिस लगातार धर्मेंद्र शर्मा और उनके बेटे को मुचलका प्रस्तुत करने के लिए बुला रही है। जबकि उनके बेटे का इस मामले से कोई लेना–देना नहीं, वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। उसका नाम जबरन घसीट लिया गया। सरोसा–भरोसा की बबीता देवी ने शिकायत की है कि मकान में बिजली के कनेक्शन के लिए सरोसा पावर हाउस में उन्होंने आवेदन किया था। मकान ट्रांसफार्मर से करीब 55 मीटर की दूरी पर है। इसलिए मानक के अनुसार एक एस्टीमेट होना चाहिए। बबीता ने आरोप लगाया कि जेई और एसडीओ द्वारा एस्टीमेट पास करने के लिए 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। रिश्वत न देने पर कनेक्शन देने से मना कर रहे हैं।

माफियाओं ने जमीन पर किया कब्जा

गोंदोली के बुद्धि लाल सिंह ने बताया कि उनकी भूमि गाटा संख्या 1001 में आम का बाग है और बाग में जाने के लिए ऊसर भूमि से होकर रास्ता जाता था। आरोप लगाया कि उक्त ऊसर भूमि को कुछ भूमाफियाओं द्वारा रेडीमेड बाउंड्री वॉल से घेर कर कब्जा कर लिया गया है। जबकि ऊसर भूमि का गाटा संख्या 100 है, जो राजस्व अभिलेखों में उसर के रूप में दर्ज है। आरोप लगाया कि 15 अप्रैल को लेखपाल द्वारा प्रेषित आख्या ग्राम प्रधान की साठ गांठ से बनाई गई। आरोप लगाया कि उक्त ऊसर भूमि को सड़क किनारे से देखा गया, संपूर्ण गाटा की नाप कर नहीं देखा गया है। इसलिए लेखपाल की जांच रिपोर्ट पूरी तरह गलत है।

राय सिंह खेड़ा निवासी सुरेंद्र कुमार ने क्षेत्रीय लेखपाल पर वरासत करने के लिए 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप लगाते हुए शिकायत की है। उसका कहना है कि उसके पिता नेकराम की 15 जनवरी 2024 को मौत हो गई थी।

गन्ने के खेत में अर्धनग्न हालत में मिली लापता युवती की लाश

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में लापता युवती का शव रविवार सुबह अर्धनग्न हालत में गन्ने के खेत में पड़ा मिला। लोगों ने देखा तो मौके पर भीड़ जमा हो गई।

प्रधान अनवर ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके साक्ष्य संकलित किए। मौजूद लोगों से बात करके जानकारी ली। घटना थानगांव थाना क्षेत्र के एक गांव की है। यहां की रहने वाली युवती को एक युवक अपने साथ भगा ले गया था। घरवालों की तहरीर पर पुलिस ने शनिवार को केस दर्ज किया था। रविवार सुबह क्षेत्र के ही जगदीशपुर गांव के बाहर विश्वनाथन के गन्ने के खेत में युवती का शव पड़ा मिला। खबर फैली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। युवती की लाश अर्धनिग्न अवस्था में मिली।

उसके नाजुक अंगों से रक्तस्राव होना मिला है। बताया गया कि दो वर्षों से अधिक समय से आरोपी का युवती की मां के घर आना–जाना था। दोनों का संपर्क लखनऊ के फैजुल्लागंज में मजदूरी करने के दौरान हुआ था। आरोपी शातिर अपराधी बताया जा रहा है। लोग दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जता रहे हैं।

सूचना पर एएसपी डॉ प्रवीण रंजन सिंह, सीओ महमूदाबाद वेद प्रकाश श्रीवास्तव फोरेंसिक एवं पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने मौका मुआयना करके साक्ष्य जुटाए।

सीओ वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही हत्या का कारण साफ हो सकेगा। आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

खुशी के आंसू लेकर कलेक्ट्रेट से निकली दिव्यांग रामसुखी

हरदोई। आज एक दिव्यांग महिला राम सुखी जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी मंगला प्रसाद के समक्ष पहुँची। उन्होंने कहा कि वह घर में अकेली हैं और दिव्यांग हैं। रामसुखी ने जिलाधिकारी से ट्राईसाईकिल दिलाने का अनुरोध किया ताकि वह आसानी से आवागमन कर सके। जिलाधिकारी ने तत्काल दिव्यांग जन कल्याण अधिकारी को बुलवाया तथा एक ट्राईसाईकिल देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निर्देश पर दिव्यांग जन कल्याण अधिकारी तत्काल एक ट्राईसाईकिल लेकर आये जिसे जिलाधिकारी ने स्वयं अपने हाथों से रामसुखी को ट्राईसाईकिल सौंपी। अहिरोरी विकास खण्ड के भगवान पुरवा मजरा जलालपुर की रहने वाली रामसुखी ने बताया कि उनके पास आवास भी नहीं है। वह पन्नी डालकर रहती हैं। यह सुनकर जिलाधिकारी ने वर्चुअल माध्यम से तत्काल बीडीओ अहिरोरी से बात की तथा रामसुखी को नियमानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता सूची में शामिल करने के निर्देश दिए। दिव्यांग रामसुखी ट्राईसाईकिल लेकर स्वयं के मकान का भरोसा लेकर खुशी के साथ कलेक्ट्रेट कक्ष से विदा हुईं। रामसुखी व उनके साथ आयी उनकी बहन ज्ञानवती ने जिलाधिकारी का धन्यवाद किया। रामसुखी ने कहा कि आज उनका कलेक्ट्रेट आना सफल हो गया।

सुधरने के लिए प्रवचन देती थी बुजुर्ग महिला, इसलिए मार डाला

गोरखपुर, (संवाददाता)। महावीर छपरा (गोरखपुर)। बुजुर्ग महिला कैलाशी देवी हमेशा सुधरने के लिए बड़ा–बड़ा प्रवचन देती थी। हर जगह बुराई करती थी। इसलिए कुल्हाड़ी से हमला कर हमेशा के लिए शांत कर दिया। बेलीपार थाना क्षेत्र के ककराखोर गांव में बुजुर्ग महिला की हत्या के आरोपी लखन सिंह उर्फ गोलू ने शनिवार को पुलिस को कुछ इस तरह का कारण बताया। जिसे सुनकर पुलिसकर्मी भी हैरान हो गए। बेलीपार पुलिस ने बताया कि आरोपी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस की निगरानी में ही उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टर के डिस्चार्ज करते ही उसे कोर्ट में पेश कर जेल भिजवा दिया जाएगा। ककराखोर गांव में एहतियात के लिए पुलिस की डयूटी लगाई गई है। शुक्रवार शाम गांव के सिरफिरे लखन सिंह उर्फ गोलू ने कैलाशी देवी (65) की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद ग्रामीणों ने पकड़कर पहले उसकी पिटाई की थी। इसके बाद पोल में बांधकर पुलिस को बुलाकर उसे सौंप दिया था। कैलाशी देवी के बेटे विनोद सिंह उर्फ गुड्डू ने तहरीर देकर आरोपी पर हत्या का केस दर्ज कराया है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में शनिवार दोपहर में पुलिस की मौजूदगी में महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। अपराह्न तीन बजे के बाद शव गांव पहुंचा तो वहां चीख पुकार मच गई। घर पर कुछ ही देर शव रखने के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजघाट रवाना हो गए। राजघाट के राप्ती तट पर बेटे विनोद ने दाह संस्कार किया। वहीं कैलाशी देवी के पति योगेंद्र सिंह रो–रोकर बोल रहे थे कि पत्नी का क्या कसूर था, उसे क्यों मार दिया। इतने साल से हम दोनों साथ थे। अचानक इस तरह अलग होंगे कभी नहीं सोचा था।

बीडीसी भी चुनी गई थीं कैलाशी देवी ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग से सेवानिवृत कर्मचारी योगेंद्र सिंह की पत्नी कैलाशी देवी 2010 में अपने गांव से क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) चुनी गई थीं। गांव में सभी लोग उनका बहुत सम्मान करते थे। कैलाशी देवी नशे के आदी लखन सिंह उर्फ गोलू को हमेशा सुधारने के लिए प्रयास करती रहती थीं। ग्रामीणों ने बताया कि कैलाशी देवी ने कभी नहीं सोचा होगा।

संक्षिप्त समाचार

जमीन पर जबरिया कब्जे का आरोप: उच्चाधिकारियों से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती, (संवाददाता)। कोतवाली थाना क्षेत्र के मूडघाट निवासी रामजनम पुत्र रामकेवल ने मुख्यमंत्री, मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर अपने पैतृक जमीन पर पुलिस के सहयोग से हरिश्चन्द्र चौहान द्वारा कराये जा रहे अवैध कब्जे पर रोक लगाने की मांग किया है।उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में रामजनम और उनके पुत्र राजेश कुमार चौहान ने कहा है कि मूडघाट स्थित उसकी पुश्तैनी जमीन पर गांव के ही हरिश्चन्द्र चौहान पुलिस से मिलीभगत कर जमीन पर जबरिया कब्जा करा लेने का षड़यंत्र कर रहे हैं। पुलिस ने जमीनी मामले में बिना तथ्यों की जांच कराये रामजनम, वृजेश चौहान, सुरेश चौहान, दुलारी चौहान को कोतवाली बुलाया और दूसरे पक्ष हश्चिन्द्र चौहान को छोड़ दिया गया। रामजनम ने मांग किया है कि जमीन की पैमाइश कराने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाय। रामजनम सहित 4 लोगों का पुलिस ने चालान कर दिया।

आम जनता की आवाज हैं पत्रकार–डा. वी.के. वर्मा

बस्ती, (संवाददाता)। पत्रकारिता केवल समाचार देने का माध्यम नहीं है, यह समाज को दिशा देने वाला स्तंभ है। पत्रकार सच्चाई उजागर करतें है और आम जनता की आवाज हैं। यह विचार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन जिलाध्यक्ष डा. वी. के. वर्मा ने विश्व प्रेस दिवस के अवसर पर व्यक्त किया। डा. वर्मा ने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में पत्रकारों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पत्रकारिता एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर और यूट्यूब जैसे माध्यमों ने खबरों को तुरंत आम जनता तक पहुंचाने में मदद की है। लेकिन इसके साथ ही फेक न्यूज और प्रोपेगेंडा जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। ऐसे में जिम्मेदार और तथ्य आधारित पत्रकारिता की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। पत्रकारों को समाज और सरकार के बीच सेतु की भूमिका निभाते हुये रचनात्मक पहल करना होगा। कहा कि विश्व पत्रकारिता दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि एक अवसर है यह सोचने का कि हम एक पत्रकार के रूप में, एक पाठक के रूप में और एक समाज के रूप में कितने जागरूक हैं।

किन्नरों के इशारे पर युवक पर जान लेवा हमले का आरोप: एसपी से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती, (संवाददाता)।मुकदमे की पैरवी कर घर लौट रहे गौर थाना क्षेत्र के बजहिया निवासी संजय कुमार यादव पुत्र स्वर्गीय पतिराम यादव को अज्ञात लोगों द्वारा पानी टंकी के निकट मारने पीटने, जान लेवा हमला करने का मामला सामने आया है। संजय कुमार यादव को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शनिवार को अमित के भाई संजय कुमार ने एसपी को पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है। एसपी को दिये पत्र में अमित कुमार ने कहा है कि गत 30 अप्रैल को वे अपने भाई संजय कुमार यादव के साथ मुकदमें की पैरवी कर घर जा रहे थे कि कचहरी के निकट पानी की टंकी के पास मौजूद कुछ लोगों ने लोहे के राड, हाकी आदि से संजय कुमार को मारने पीटने लगे। किसी तरह से उसकी जान बची।

12 वर्षीय अल्तमश की ईमानदारी पर हरदोई पुलिस को फक्र, एसपी जादौन ने किया सम्मानित

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

एक 12 वर्षीय बालक अल्तमश पुत्र आलमगीर निवासी कटरा थाना टड़ियावां जनपद हरदोई को कस्बा टड़ियावां में रास्ते के किनारे एक पर्स पडा मिला, जिसमें 16,020 रुपए एवं कुछ कागजात मौजूद थे। अल्तमश द्वारा पर्स को थाना टड़ियावां पुलिस को दिया गया । जिसके पश्चात थाना टड़ियावां पुलिस द्वारा पर्स में मौजूद कागजात से प्राप्त जानकारी के आधार पर पर्स को उसके स्वामी फैजान पुत्र आलमगीर निवासी बैठ थाना गढ़मुक्तेश्वर जनपद हापुड को सुपुर्द किया गया।

इसी क्रम में आज पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन द्वारा अल्तमश उपरोक्त को उनके इस प्रशंसनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी।

युवती ने पंखे से लटक कर की आत्महत्या

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रविवार की शाम थाना रौनाही क्षेत्र के रामापुर गांव मे एक युवती ने अपने घर में पंखे से लटक कर आत्महत्या कर लिया।शव के पास एक सुसाइड नोट मिला। सुसाइड नोट में मृतका युवती ने प्रेमी पर दुराचार व गर्भपात करवाने का आरोप लगाया था।इस मामले मे रौनाही थाने के हल्का दरोगा विवेचना कर रहे थे।मृतका ने विवेचक पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था। बताते चले कि बगल गांव के ही युवक से युवती का प्रेम प्रसंग चल रहा था। पूर्व में प्रेमी प्रेमचंद पर युवती का अपहरण करने का आरोप लगा था और मुकदमा दर्ज होने के बाद प्रेमी जेल गया था।मामले की विवेचना कर रहे विवेचक पर उत्पीड़न का आरोप लगा है।युवती के भाई का आरोप था कि दो माह पूर्व आरोपी प्रेमी युवती को बहला फुसला कर भगा ले गया था।पुलिस ने युवती को बरामद करके नारी निकेतन भेज दिया था।इस संबंध मे रौनाही थाने के हलका दरोगा पर पिटायी के साथ उत्पीड़न का भी परिजनों ने आरोप लगाया है।इस संबंध में सीओ सदर योगेंद्र कुमार ने बताया कि मृतका के परिजनों द्वारा दिए गए तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।जिसमे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कल पुलिस पूछताछ कर रही है।

नही मायने रखता डीजीपी से लेकर एसएसपी तक का फरमान

अयोध्या। पुलिस विभाग के अधिकारियों से लेकर थानेदार के लिए डीजीपी से लेकर पुलिस कप्तान तक उनके आदेश का कोई मायने नहीं रखता। डीजीपी प्रशांत कुमार ने सभी अधिकारी को सख्त हिदायत दिया है कि अफसर सीयूजी नम्बर पर अवश्य बात करें। लेकिन शायद ही कभी ऐसा होता होगा जब किसी पुलिस अधिकारी किया थाना अध्यक्ष के सीयूजी नंबर पर बात हो सकती है। देखा जाए तो इन अधिकारियों का सीयूजी फोन अब ‘डेकोरेशन पीस’ बन चुके हैं। कोई इन्हें सजाकर मेज पर रखता है, तो कोई दराज में बंद करके ‘गोपनीय दस्तावेज’ की तरह सुरक्षित रखता है।एक जमाना था जब फोन बजता था, अब तो अफसरों का सीयूजी नम्बर बज जाए तो समझो चमत्कार हो गया।अगर गलती से फोन उठा भी लें, तो मानिए आपकी किस्मत सातवें आसमान पर है। नहीं तो आम दिनों में सीयूजी नम्बर ढूंढना ऐसा है जैसे नदी में से नाविक की ईमानदारी निकालना। जनता रोती है – ”साहब फोन नहीं उठता।“अफसर कहते हैं – ”हम ‘मीटिंग’ में हैं।

आंखो के इलाज के लिये उम्मीद बनकर उभरा बस्ती का अयोध्या आई हॉस्पिटल

बस्ती, (संवाददाता)। आँखों के समग्र इलाज के लिये बस्ती का अयोध्या आई हॉस्पिटल उम्मीद बनकर उभर रहा है। पिछले 22 वर्षो से मणि मंदिर सेवा न्यास समिति द्वारा संचालित अयोध्या आई हॉस्पिटल की विकास यात्रा, भावी योजना, आंखो के रोग के पूर्ण निदान आदि के बारे में अयोध्या आई हॉपिटल के प्रबंधक अविरल सिंह ने बताया कि अयोध्या आई हॉस्पिटल बस्ती में आँखों की सम्पूर्ण देखभाल अब और भी उन्नत सुविधाओं के साथ किया जा रहा है।प्रबंधक अविरल सिंह ने बताया कि बस्ती जनपद में बिगत कई वर्षों से स्थापित अयोध्या आई हॉस्पिटल अत्याधुनिक सुविधाओं एवं अत्याधुनिक मशीनो से लैस है अब जल्द ही हॉस्पिटल में रेटीना के डाक्टर भी सेवायें देंगे, अभी तक रेटीना के डाक्टर न रहने के कारण रेटीना ऑपरेशन के लिए मरीजों को जिले से बाहर महानगरों की ओर जाना पड़ता था। मगर अब जल्द ही यह सुविधा बस्ती के अयोध्या आई हॉस्पिटल मणि मंदिर सेवा न्यास समिति द्वारा संचालित होंगी। बताया कि अन्य शाखाएं अन्य जनपदों में विस्तारित की जा रही है अभी तक बस्ती जनपद के अयोध्या आई हॉस्पिटल में प्रत्येक वर्ष कई हजार लोगों के प्रत्येक वर्ष सफल इलाज किया गया है । यह क्रम अनवरत जारी है।बताया कि हास्पिटल के पास सभी प्रकार के आँख के ऑपरेशन में लगने वाले लेन्स उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। हमारे यहाँ देशी ही नहीं बल्कि विदेशों में बने उच्च गुणवत्ता वाले लेंस उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं । मरीज अपनी जरूरत और बजट के अनुसार लेंस का चयन कर सकते हैं।प्रबंधक अविरल सिंह ने बताया कि बस्ती के अयोध्या आई हॉस्पिटल में आंखों के रेटीना के डाक्टर की सुविधा जल्द होगी रेटीना ऑपरेशन के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि ग्लूकोमा, मोतियाविन्द, कम्प्यूटर विजन सिन्ड्रोम, चाइल्ड आई केयर एण्ड स्क्विन्ट, डायबिटिक आई डिजिज, ड्राई आई का उपचार अत्याधुनिक संसाधनों से किया जा रहा है। हास्पिटल में आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध है। आयुष्मान कार्ड न होने पर गरीब राशन कार्ड धारकों को न्यूनतम शुल्क पर ईलाज और आपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराया जाता है।अयोध्या आई हॉस्पिटल बस्ती के आई सर्जन डाक्टर रजी हसन, आशीष गुप्ता एवं अन्य डॉक्टरों की टीम ने बताया कि बिना चीरा–टाँका (फेको विधि) से मोतियाबिन्द का सफल ऑपरेशन अयोध्या आई हास्पिटल बस्ती में कुशल नेत्र विशेषज्ञ के द्वारा किया जाता है।

आगजनी के आरोपी 6 नामजद अभियुक्त गिरफ्तार, भेजे गए जेल

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद के कुबेर स्थान पुलिस ने थाना क्षेत्र में एक मोबाइल रिपेयरिंग दुकान में आगजनी करने वाले 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसपी मीडिया सेल से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि जनपद के कुबेरस्थान थाने में 03 मई 2025 को वादी अवधेश चौहान पुत्र अशोक चौहान निवासी बतरौली घुरखडवा थाना विशुनपुरा जनपद कुशीनगर द्वारा तहरीर दी गयी कि मेरा कुबेरस्थान बाजार में स्थित अशोका मार्ट मोबाईल रिपेयरिंग किंग नामक दुकान में दिनांक 30.04.2025 को रात्रि समय करीब 02.00 बजे पुष्कर मद्धेशिया कुशीनगर अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दुकान में आग लगा दिये।

भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशाल शोभा यात्रा का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

शाहजहांपुर। आराध्य भगवान परशुराम वंशज के अनुयायी सर्व ब्राह्मण संगठनों द्वारा संगठित होकर अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में जिला स्तर पर एक विशाल शोभा यात्रा का आयोजन समाज में जागृत व उत्साह वर्धन हेतु किया गया।

शाहजहांपुर जिला स्तर पर डॉ विजय पाठक जितेंद्र तिवारी, हरि शरण बाजपेई ,श्री दत्त शुक्ला ब्लॉक प्रमुख कांट,पूर्व एमएलसी संजय मिश्रा, कौशल किशोर, अवधेश दीक्षित, विश्वदीप, रवि मिश्रा, असित पाठक आदि ने संयोजक की भूमिका निभाई। बहन कनुप्रिया की अध्यक्षता के अंतर्गत दिशा व निर्देशन के अनुसार डॉक्टर संजय अवस्थी, गौरव शुक्ला एडवोकेट, विकास मिश्रा विक्कू, विमलेश दीक्षित,गौरव शुक्ला बजाज एजेंसी,अनिल तिवारी, चौतन्य मिश्रा व अन्य सभी संभ्रांत विप्र जनों के सहयोग से सैकड़ो की संख्या में हर्ष उल्लास के साथ परशुराम धाम से सीता मठिया चौक घंटाघर बहादुरगंज सदर बाजार होती हुई यात्रा विश्वनाथ मंदिर पर संपन्न हुई। अनेक जगहों पर यात्रा का स्वागत फूल वर्षा कर एवं जलपान कराकर भव्य स्वागत किया गया। गांधी भवन में परम पूज्य अंतर्राष्ट्रीय संत प्रशांत प्रभु जी महाराज द्वारा ओजस्वी प्रवचन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी ने बैठक कर राजस्व से सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा, दिया निर्देश

कुशीनगर, (संवाददाता)। डीएम महेन्द्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व विभाग के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर आधारित साप्ताहिक समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा 3 माह से अधिक किन्तु 1 वर्ष से कम राजस्व वादों के अंतर्गत धारा– 24, 34, 67 एवं 116 के लंबित मामलों के बारे में तहसीलवार जानकारी प्राप्त की। धारा 24 के अन्तर्गत जनपद में 3 माह से अधिक किन्तु, 6 माह से कम कुल 163 वाद तथा 6 माह से अधिक किंतु 1 वर्ष से कम के कुल 49 वाद लंबित पाए गए। इसी प्रकार धारा 34, धारा 67, धारा 80, के मामलों एवं 116 के कुर्रा बंटवारा के लंबित मामलों की विस्तार पूर्वक जायजा लिया। उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वस्थ प्रशासनिक व्यवस्था कायम रखते हुए उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता के अनुरूप गुण–दोष के आधार पर लंबित राजस्व वादों का निस्तारण यथाशीघ्र करें। उन्होंने कहा कि मुसहर समुदाय के व्यक्तियों को चिन्हित कर समस्त जनकल्याणकारी योजनाओं से संतृप्त करें। साथ ही आवश्यकतानुसार भूमि का पट्टा भी करें। उन्होने समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि भूलेख के माध्यम से 1 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वालें तालाबों की सूची बनाए तथा जिन तालाबों की खुदाई नहीं हुई है। उन्हें मनरेगा के श्रमिकों की सहायता से अस्तित्व में लाए जाए। जिन तालाबों का मत्स्य आवंटन पट्टा नहीं हुआ है। उनका भी पट्टा करने की कार्यवाही करें। इससे राजस्व भी प्राप्त होगा। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने कहा कि लेखपालों की सहायता से भूमि विवाद रजिस्टर बनाते हुए ग्रामों में वादों को चिन्हित कर ग्राम स्तर पर ही उसे निस्तारित करने का प्रयास करें। निस्तारण होने के पश्चात पूरे जनपद में विवाद रहित राजस्व ग्राम घोषित करने की मुहिम चलाए। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम यह ध्यान दें कि जिन विभागों के पत्र भूमि प्रकरण हेतु आपके स्तर से लंबित है। उन विभागों को भूमि आवंटित करे। विभिन्न विभागों को दी जाने वाली भूमि की समीक्षा भी अगली बैठक में की जाएगी।

इस दौरान जिलाधिकारी ने आई जी आर एस, जनसुनवाई के लंबित प्रकरण, ई डिस्ट्रीक्ट पर आय–जाति निवास प्रमाण पत्र, वरासत, नामान्तरण, आपदा राहत, आबादी सर्वे, रबी खसरा फीडिंग की अद्यतन प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया।. इस अवसर पर एडीएम वित्त एवं राजस्व वैभव मिश्रा, एडीएम न्यायिक पी के राय, समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार, भूलेख अधिष्ठान के न्यायिक पटल, राजस्व सहायक लिपिक, प्रशासनिक अधिकारी कलेक्ट्रेट राजेश श्रीवास्तव, नाजिर आदि अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

शिकायती पत्रो का निस्तारण पारदर्शिता के साथ करें – डीएम

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद के कसया तहसील सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा की उपस्थिति में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सर्वप्रथम संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर सभागार में आए हुए तहसील क्षेत्र के फरियादियों की समस्याओं व शिकायतों को एक–एक कर गम्भीरता के साथ सुनने के उपरान्त विभागीय अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही उसका निस्तारण किया गया तथा अवशेष प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में संबंधित अधिकारियों को सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए प्राप्त करा दिया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपूर्ण समाधान दिवस पर आए हुए शिकायतों को सदैव प्राथमिकता पर रखते हुए हर पीड़ित की समस्या का निष्पक्ष निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिन शिकायतों का निस्तारण तत्काल नहीं हो सका है। उनका समय के अंतर्गत शासन की मंशानुसार निर्धारित अवधि के भीतर सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ गुणवत्ता पूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण शत प्रतिशत निस्तारण हो जाना चाहिए। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने पुलिस विभाग से जुड़े मामलों की सुनवाई की व पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं थानाध्यक्षो को प्राप्त सभी सन्दर्भो का निस्तारण राजस्व विभाग की सहायता से टीम बनाकर प्राथमिकता एवं गुणवत्ता के साथ शत प्रतिशत सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश दिया। राजस्व व पुलिस विभाग के अधि0ध्कर्मचारियों को शिकायतों को गम्भीरता से लेकर शत–प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। आज के आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 90 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसमें से राजस्व विभाग के 61 में से 07 को तत्काल निस्तारित किया गया। पुलिस विभाग से संबंधित 08, विकास विभाग से संबंधित 04, तथा अन्य विभाग के 17 प्रकरण प्राप्त हुए। इस प्रकार कुल 90 में से 07 प्रार्थना पत्र का निस्तारण तत्काल एवं अवशेष 83 प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभाग को समयांतर्गत निस्तारण के निर्देश के साथ सौंपा गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी, उपजिलाधिकारी कसया आशुतोष, तहसीलदार कसया।

माफिया विनोद के भाई संजय उपाध्याय संग 5 बदमाश बनें ईनामी, पुलिस ने रखा ईनाम

गोरखपुर, (संवाददाता)। एसएसपी ने माफिया के भाई समेत दो थानों से वांछित पांच बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए इनाम घोषित किया है। इसमें गुलरिहा के तीन और शाहपुर थाने से वांछित दो बदमाशों का नाम शामिल हैं। इनामी बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के साथ ही एसओजी टीम को भी लगाया गया है। एसएसपी ने शनिवार को शाहपुर थाने से रंगदारी व गोली चलवाने के मामले में वांछित माफिया विनोद के भाई धर्मशाला बाजार निवासी संजय उपाध्याय पर 10 हजार रुपये का इनाम रखा है। इसी थाने से एक अन्य मामले में वांछित पिपराइच के उनौला दोयम निवासी बिट्टू उर्फ राज गौड़ पर 10 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया है। इसी तरह गुलरिहा थाने में गोवध निवारण अधिनियम की धारा में दर्ज केस के वांछित बिहार के गोपालगंज जिला के अहिरौली दुबौली उर्फ शुकुल नरहवा निवासी कबूतर उर्फ रुस्तम अली, सिवान तकिया थाना क्षेत्र के भलुआड़ा के ताज मोहम्मद और एक अन्य मामले में वांछित गीडा क्षेत्र के बाघागाड़ा निवासी आदित्य सिंह की गिरफ्तारी के लिए 10–10 हजार का इनाम रखा है। माफिया के भाई संजय उपाध्याय पर रंगदारी मांगने व गोली चलवाने का आरोप है। शुरुआत 18 फरवरी से हुई, जब आरोपी अंकित पासवान ने खुद को माफिया विनोद उपाध्याय का भाई बताते हुए श्रीरामपुरम कॉलोनी निवासी प्रॉपर्टी डीलर अंकु शुक्ल से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।